Hindi Murli Quiz 03-12-2015

.

Q.1) **Q.कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें-------**

"मीठे बच्चे,--------से हल्का होने के लिए वफादार, ऑनेस्ट बन अपनी कर्म-कहानी बाप को लिखकर दो, फिर दोबारा ऐसा कोई काम न हो उसके लिए बाप खबरदार करते हैं ।"

- पापों
- पापो
- paapon
- papo
- paapo

Q.2) **Q. "संगमयुग पर तुम बच्चे देह-अभिमान का बीज नहीं बो सकते हो क्योंकि इस बीज से सब विकारों के झाड़ निकल पड़ते हैं। इस समय सारी दुनिया में 5 विकारों के झाड़ निकले हुए हैं। सब काम-क्रोध के बीज बोते रहते हैं। तुम्हें बाप का डायरेक्शन है बच्चे योगबल से पावन बनो। यह बीज बोना बन्द करो।"**

A. सही

B. गलत

Q.3) **Q. सभी रिक्त स्थान उपयुक्त शब्दों से भरें ।**

	Choice	Match
A	सब धर्म वाले ----------को जरुर मानेंगे क्योंकि उन द्वारा ही मनुष्य मात्र की रचना हुई है ।	प्रजापिता ब्रह्मा ।
B	लौकिक बाप भी हद के ब्रह्मा हैं क्योंकि उनका भी --------बनता है और सरनेम से वह --------चलता है।	सिजरा ।
C	स्वर्ग में ------- का सुख, नर्क में --------का दु:ख कह सकते हैं।	बेहद ।
D	दूसरे धर्म वाले सब------को ही बुलाते हैं, मात-पिता नहीं कहेंगे। सिर्फ यहाँ ही गाते हैं तुम मात-पिता हम बालक तेरे ।	फादर ।
E	बाप खिवैया भी है, बागवान भी है। बाकी तुम ब्राह्मण सब अनेक प्रकार के ---------हो।	माली ।

Q.4) **Q. सही वाक्य ही टिक / चयन करें -----**

A. पतित बनने से कांटे बन जाते हैं, रास्ते चलते-चलते कांटा लगाकर भाग जाते हैं। अजामिल भी उनको कहा जाता है।

B. एक है पुण्य आत्माओं की दुनिया जिसको स्वर्ग कहा जाता है,दूसरी है पाप आत्माओं की दुनिया जिसको नर्क कहा जाता है।

C. ब्रह्मा-विष्णु-शंकर तो देवतायें हैं। मूलवतन में रहने वाली आत्माओं को ही देवता कहा जाता है।

D. गरीब तो दो रूपये भेजते-बाबा हमारी एक ईट लगा दो। कोई हजार भेजते। भावना तो दोनों की एक है तो दोनों का इक्वल बन जाता है।

Explanation: ब्रह्मा-विष्णु-शंकर तो देवतायें हैं। मूलवतन में रहने वाली आत्माओं को देवता थोड़े ही कहा जाता है।

Q.5) **Q."ब्रह्मा बाबा समझते हैं ना कि मैं प्रिन्स बनूँगा। नम्बरवन में है यह, फिर भी हर वक्त याद नहीं ठहरती है। भूल जाते हैं। कितना भी कोई मेहनत करे परन्तु अभी वह अवस्था होगी नहीं। कर्मातीत अवस्था तब होगी जब लड़ाई का समय होगा। पुरूषार्थ तो सबको करना है ना। इनको भी करना है।"**

A. सही

B. गलत

Q.6) **Q. वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	स्वर्ग में जाना है,	तो दैवीगुण भी धारण करने चाहिए।
B	अभी तुमको कितनी अच्छी नॉलेज मिलती है।	वह नॉलेज इतनी खुशी नहीं देती है, जितनी यह।
C	सूक्ष्मवतन में ब्रह्मा-विष्णु-शंकर,,	वह भी सिर्फ साक्षात्कार होता है।
D	तुम अनेक बार देवता बने हो, डीटी राज्य था ना।	यह चक्र फिरता रहता है।
E	यह ज्ञान फिर प्राय: लोप हो जाता है। तुम राजाई पद प्राप्त कर लेते हो,	फिर सतयुग में यह नॉलेज होती नहीं।

Q.7) **Q. कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ------**

"सदा स्मृति रहे कि हम अभी ब्राह्मण हैं इसलिए --------से बहुत-बहुत दूर रहना है।"

- विकारों
- वीकारों
- विकारोन
- विकारओं
- vikaaron
- vikaron
- ,vikaro

Q.8) **Q. धारणा के अनुसार सही पॉइंट्स ही चयन करें :----**

A. ☐ सदा क्रिमिनल एसाल्ट नही हो।
B. ☑ बाप से बहुत-बहुत ऑनेस्ट, वफादार रहना है।
C. ☑ डबल सिरताज देवता बनने के लिए बहुत मीठा बनना है ।
D. ☑ बुद्धि की लाइन क्लीयर रखनी है।
E. ☑ राजयोग की तपस्या करनी है।

Explanation: --कभी भी क्रिमिनल एसाल्ट न हो।

Q.9) **Q. आज के वरदान पर आधारित निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत हैं- टिक करें ।**

"बापदादा को प्रत्यक्ष करने के कार्य में एकता और एकाग्रता की विशेषता से सफलता को गले का हार बनाओ, लेकिन इसके लिए सदा यह याद रहे कि न समस्या स्वरूप बनेंगे न समस्या को देख डगमग होंगे। सदा समाधान स्वरूप रहेंगे।"

A. ◉ सही
B. ○ गलत

Q.10) **Q. "बापदादा की छत्रछाया के नीचे रहो तो -------की छाया पड़ नहीं सकती।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त विकल्प से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें ।

A. ◉ माया
B. ○ दुख
C. ○ विघ्नों
D. ○ संगदोष